सुलभ में 'असुलभ' इंसाफ!

सफाई कर्मचारियों ने खोली व्यवस्था की परतें

13200 मानदेय मिलने का दावा लेकिन हाथ में सिर्फ 1500 से 3000 आने का आरोप, ग्राहकों से ओवर चार्जिंग भी सवालों में

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

स्वच्छता और सम्मानजनक सार्वजनिक सुविधाओं का प्रतीक मानी जाने वाली सुलभ इंटरनेशनल की व्यवस्था छिंदवाड़ा में गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। जिले में संचालित 15 से अधिक सार्वजनिक शौचालयों में मनमानी वसूली, सफाई कर्मचारियों के आर्थिक शोषण, संसाधनों की कमी और प्रशासनिक उदासीनता के आरोप सामने आए हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है कि सफाई कर्मचारियों को उनका पूरा मानदेय नहीं दिया जा रहा, जबकि आम नागरिकों से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूली जा रही है। सूत्रों और सफाई कर्मचारियों के अनुसार, छिंदवाड़ा में संचालित अधिकांश सुलभ शौचालय एक ही सुपरवाइजर के अधीन संचालित हो रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि नहाने के लिए निर्धारित 10 और शौचालय उपयोग के लिए 5 की जगह कई बार ग्राहकों से 25 से 40 तक वसूले जाते हैं। चूंकि बड़ी संख्या में भुगतान ऑनलाइन माध्यम से भी होता है, इसलिए यदि निष्पक्ष जांच हो तो वास्तविक लेनदेन का रिकॉर्ड आसानी से सामने आ सकता है।

13,200 की जगह सिर्फ 1,500 से 3,000

सफाई कर्मचारियों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि उन्हें महीने भर की कठिन मेहनत के बदले केवल 1,500 से 3,000 तक का भुगतान किया जाता है। उनका दावा है कि संस्था की ओर से उनके लिए लगभग 13,200 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन उन्हें पूरी राशि नहीं मिलती। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मजदूरों के अधिकारों के साथ गंभीर अन्याय माना जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि विरोध करने पर नौकरी से निकालने या कुछ दिनों तक काम से अलग रखने की धमकी दी जाती है। इसी डर से अधिकांश कर्मचारी खुलकर सामने आने से बच रहे हैं। सफाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकताआरोप है कि कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण तक उपलब्ध नहीं कराए जाते। न दस्ताने, न सुरक्षा जूते और न ही पर्याप्त सफाई सामग्री। पूरे महीने के लिए सीमित मात्रा में ब्लीचिंग पाउडर, फिनाइल और एसिड देकर पूरे शौचालय परिसर की सफाई कराने की अपेक्षा की जाती है। आधुनिक सफाई उपकरणों का भी अभाव बताया गया है। ऐसी स्थिति में दिनभर हजारों लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सार्वजनिक शौचालयों की समुचित सफाई संभव नहीं हो पाती। अधिकांश स्थानों पर दिन में केवल एक बार सफाई होने का दावा किया गया है, जिससे बदबू और गंदगी की शिकायतें लगातार बनी रहती हैं।

चेयरमेन का गैरजिम्मेदाराना रवैया

सुलभ इंटरनेशनल के भोपाल स्थित ऑफिस में जब चेयरमेन अनिल झा से छिंदवाड़ा में संस्था की दुर्दशा पर जब सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि छिंदवाड़ा में सुपरवाइजर संजय झा ही संस्थाओं का संचालन करते हैं। मैं अभी बाहर हूं। आप उन्हीं से बात करें। इस तरह के गैर जिम्मेदाराना बयान देने वाले अधिकारी हो तो क्यों न ऐसी संस्थाएं और ऐसे संस्थाओं के कर्मचारी बेबस लाचार और शोषित तो होंगे ही। अगर मुखिया सख्त होते तो आज छिंदवाड़ा के सुलभ कॉम्पलेक्स दुर्दशा की कहानी बयां नहीं करते।

सफाई कर्मचारियों के अधिकार क्या कहते हैं?

सफाई कर्मी भी श्रमिक हैं, उन्हें भी सम्मान और सुरक्षा का अधिकार हैसार्वजनिक शौचालयों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना नियोक्ता की जिम्मेदारी है। सफाई कार्य के दौरान दस्ताने, सुरक्षा जूते, मास्क, पर्याप्त सफाई सामग्री और अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराना अनिवार्य माना जाता है। इसके साथ ही समय पर वेतन, निर्धारित कार्य घंटे, अवकाश तथा अन्य वैधानिक सुविधाएं भी श्रमिकों का अधिकार हैं। यदि किसी कर्मचारी से कम वेतन देकर अधिक काम लिया जाता है या उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, तो वह संबंधित श्रम विभाग के समक्ष शिकायत दर्ज करा सकता है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें इन बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित रखा जा रहा है। यदि जांच में यह सही पाया जाता है तो संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही तय होना आवश्यक होगा।

निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगा पूरा सच

इस पूरे मामले में कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनकी सत्यता का पता केवल निष्पक्ष और पारदर्शी जांच से ही चल सकता है। जिला प्रशासन यदि ऑनलाइन भुगतान का रिकॉर्ड, कर्मचारियों के बैंक खातों में हुए वेतन भुगतान, संस्था द्वारा जारी मानदेय, उपस्थिति रजिस्टर, सफाई सामग्री की खरीद और वितरण का रिकॉर्ड तथा नगर निगम के निरीक्षण दस्तावेजों की जांच कराए, तो पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। कर्मचारियों को उम्मीद है कि जांच निष्पक्ष होगी और यदि किसी स्तर पर आर्थिक अनियमितता या श्रमिकों के अधिकारों का हनन पाया जाता है, तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं यदि आरोप निराधार साबित होते हैं, तो संबंधित पक्ष का नाम भी स्पष्ट रूप से सामने आ जाएगा। इसलिए इस मामले में पारदर्शी जांच ही सबसे महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सुपरवाइजर ने आरोपों को नकारा

संजय झा
सुपरवाइजर सुलभ इंटरनेशनल शौचालय छिंदवाड़ा

जब इन आरोपों को लेकर संबंधित सुपरवाइजर संजय झा से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने आरोपों को खारिज किया, लेकिन कैमरे पर या वीडियो के माध्यम से आधिकारिक बयान देने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि सफाई कर्मचारियों की ओर से एक समाजसेवी ने जिला कलेक्टर और श्रम विभाग को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में कर्मचारियों के वेतन, ऑनलाइन भुगतान, ओवरचार्जिंग, संसाधनों की उपलब्धता और कार्य परिस्थितियों की जांच की मांग की गई है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जिला प्रशासन इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करेगा, या फिर सार्वजनिक सुविधाओं की आड़ में कर्मचारियों का कथित शोषण और आम जनता से अतिरिक्त वसूली का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा?यदि कर्मचारियों को उनका पूरा वेतन, सुरक्षा उपकरण और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, तो निश्चित रूप से सार्वजनिक शौचालयों की स्वच्छता और सेवा की गुणवत्ता में बड़ा सुधार देखा जा सकता है। फिलहाल, छिंदवाड़ा के सार्वजनिक शौचालय व्यवस्था पर उठे ये सवाल प्रशासन से त्वरित और पारदर्शी जवाब की मांग कर रहे हैं। व्यवस्था की पोल खोलने और अपने दावे को मजबूत करने हरिभूमि के पास साक्ष्य के रूप में वीडियो उपलब्ध है।

पुरुष शौचालयों का उपयोग कर शर्मसार हो होती महिलाओं

गांधीगंज स्थित दीनदयाल रसोई के पास संचालित सार्वजनिक शौचालय को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां महिलाओं के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था नहीं है, जिससे उन्हें पुरुष शौचालय का ही उपयोग करना पड़ता है। यदि यह स्थिति सही है, तो यह महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा दोनों के लिहाज से चिंताजनक विषय है और तत्काल सुधार की आवश्यकता है।

नगर निगम की भूमिका भी सवालों में

कर्मचारियों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण करने के बावजूद व्यवस्थाओं में सुधार नहीं करा रहे हैं। आरोप यह भी लगाए गए हैं कि स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान ही विशेष साफ-सफाई और संसाधनों की व्यवस्था की जाती है, जबकि सामान्य दिनों में शौचालय बदहाल स्थिति में रहते हैं।इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन यदि जांच में तथ्य सामने आते हैं तो यह पूरे तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न होगा।

WCL कन्हान में करोड़ों के कोयले के परिवहन पर उठे सवाल

'शेल पत्थर' के नाम पर हो रही माल ढुलाई पर जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव, संजय जैन

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (WCL) के कन्हान क्षेत्र अंतर्गत संचालित गतिविधियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। प्राप्त जानकारी, स्थानीय सूत्रों और वायरल हो रहे फोटो-वीडियो के आधार पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि पालाचौरई साइडिंग से हार्ड रॉक अथवा शेल पत्थर के नाम पर बड़े पैमाने पर कोयले का परिवहन किया जा रहा है।

मामले में WCL के कुछ अधिकारियों, परिवहन एजेंसियों और संबंधित विभागों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।वहीं दूसरी ओर, पिछले एक सप्ताह से लगातार भारी वाहनों के माध्यम से माल परिवहन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि यदि स्टॉक उपलब्ध नहीं है, तो आखिर किस सामग्री का परिवहन किया जा रहा है।

बिना तौल यंत्र और बिना परिवहन अनुमति के परिवहन के आरोप

स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि पालाचौरई साइडिंग से माल की लोडिंग बिना किसी अधिकृत तौल व्यवस्था के की जा रही है। साथ ही यह भी आरोप है कि माल परिवहन के लिए आवश्यक अस्थायी परिवहन परमिट (टीपी) के अभाव में भी माल का आवागमन हो रहा है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह खनन एवं परिवहन नियमों के उल्लंघन का गंभीर मामला हो सकता है।

प्रतिदिन 500 से 1000 टन तक माल परिवहन का दावा

सूत्रों का दावा है कि प्रतिदिन लगभग 15 से 20 भारी वाहन, जिनकी क्षमता लगभग 40 टन प्रति वाहन है, के माध्यम से 500 से 1000 टन तक सामग्री का परिवहन किया जा रहा है। यह कार्य जेसीबी और पेलोडर मशीनों की सहायता से किए जाने की बात कही जा रही है। आरोप है कि यह सामग्री शारदा भूमिगत कोयला खदान क्षेत्र तक पहुंचाई जा रही है।

केसीसी कौशर कोल कॉर्पोरेशन की भूमिका पर भी उठे सवाल

जानकारी के अनुसार, कन्हान क्षेत्र के अंबाडा स्थित केसीसी कौशर कोल कॉर्पोरेशन द्वारा पालाचौरई साइडिंग में यह कार्य कराया जा रहा है। हालांकि, कंपनी अथवा संबंधित पक्ष की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हो सकी है।

मनरेगा बनी इतिहास, जामुनढोंगा पंचायत का बी फाल भ्रष्टाचार के लिए किया जाएगा याद

जामुनढोंगा के बी-फॉल निर्माण सहित कई कार्यों में अनियमितताओं के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

केंद्र सरकार द्वारा 30 जून से 20 वर्षों तक संचालित रही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को समाप्त कर 1 जुलाई से नई जी राम जी योजना लागू किए जाने की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के दौरान हुए विकास कार्यों और उन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप एक बार फिर चर्चा में हैं। तामिया जनपद पंचायत की कई ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत कराए गए निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता और गुणवत्ता से समझौता किए जाने के आरोप लंबे समय से लगाए जाते रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि स्वतंत्र एजेंसी से भौतिक सत्यापन कराया जाए तो कई मामलों में वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में निस्तारी तालाब, सुदूर सड़क, खेत तालाब, गली प्लग, चेकडैम, पुल-पुलिया, रपटा, कपिलधारा कुएं और अन्य विकास कार्यों के लिए केंद्र सरकार द्वारा करोड़ों रुपये उपलब्ध कराए गए। आरोप है कि तामिया जनपद की कई पंचायतों में इन निर्माण कार्यों के दौरान मजदूरों के स्थान पर मशीनों का उपयोग किया गया, जबकि रिकॉर्ड में श्रमिकों से कार्य कराया जाना दर्शाया गया। साथ ही कई निर्माण कार्य आधी लागत में पूरे कर शेष राशि का कथित दुरुपयोग किए जाने की शिकायतें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई निर्माण कार्यों में तकनीकी स्वीकृतियां वास्तविक आवश्यकता और स्थल की स्थिति के अनुरूप नहीं दी गईं। आरोप यह भी है कि उपयंत्रियों द्वारा तैयार किए गए एस्टीमेट में सामग्री और कार्य की मात्रा में अंतर दर्शाकर भुगतान कराया गया। कुछ मामलों में साधारण मिट्टी को मुरम बताकर अधिक दर से भुगतान किए जाने के भी आरोप लगाए गए हैं। यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है तो बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है।

जामुनढोंगा पंचायत का बी-फॉल निर्माण बना सवालों के घेरे में

देलाखारी सेक्टर की ग्राम पंचायत जामुनढोंगा में आरईएस द्वारा निर्मित तालाब का वेस्ट वीयर (बी-फॉल) क्षतिग्रस्त होने के बाद उसके पुनर्निर्माण को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मरम्मत कार्य के लिए तकनीकी स्वीकृति तो एक प्रकार के निर्माण की दी गई, लेकिन मौके पर स्वीकृत डिजाइन के विपरीत कम गुणवत्ता वाली सामग्री से कार्य कराया गया। आरोप है कि कंक्रीट निर्माण के स्थान पर पत्थर चिनाई कर कार्य पूरा दिखा दिया गया।बताया जाता है कि इस मामले की शिकायतें लिखित रूप से संबंधित अधिकारियों और सीएम हेल्पलाइन तक भी पहुंचीं, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि तालाब के निर्माण स्थल का भौतिक सत्यापन, तकनीकी परीक्षण, ग्रामसभा के प्रस्ताव तथा संबंधित खसरा अभिलेखों की जांच कराई जाए तो लगभग 13 लाख रुपये के कार्य में हुई कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

जांच की मांग तेज

ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मनरेगा के तहत हुए निर्माण कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जाए। उनका आरोप है कि यदि दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों से वसूली तथा कार्रवाई की जाए तो सरकारी धन के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है।हालांकि इन सभी आरोपों की अभी तक किसी सक्षम जांच एजेंसी द्वारा पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आने के बाद ही पूरे मामले की वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मनरेगा योजना समाप्त होने के साथ ही तामिया क्षेत्र में उसके दौरान कराए गए कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

अधेड़ ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

जुन्नारदेव। जुन्नारदेव नगर की समीपस्थ ग्राम पंचायत जुन्नारदेव दातला में एक 55 वर्षीय अधेड़ द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत दातला के वार्ड क्रमांक 10 निवासी पितरू उईके (55) ने बुधवार सुबह लगभग 10 बजे अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलने पर जुन्नारदेव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर आवश्यक पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और मर्ग कायम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु सौंप दिया गया। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना उप निरीक्षक पूनम उईके के नेतृत्व में की जा रही है फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है और पुलिस जांच में जुटी हुई है।

दो युवकों पर एससी/एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज

किशोरी और परिजनों से मारपीट व जातिसूचक गालियां देने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

शहर के जयसवाल लॉन में संचालित प्रदर्शनी मेले में मंगलवार रात एक किशोरी एवं उसके परिजनों के साथ कथित मारपीट, जातिसूचक गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है।

शिकायत के आधार पर जुन्नारदेव थाना पुलिस ने दो आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दर्ज एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता वार्ड क्रमांक-17 की निवासी छात्रा है। उसने शिकायत में बताया कि वह मंगलवार रात अपने भाई-बहनों एवं परिजनों के साथ जयसवाल लॉन में लगी प्रदर्शनी देखने गई थी।

इसी दौरान झूले के पास धक्का लगने की बात को लेकर विवाद हो गया। शिकायत के अनुसार, विरोध करने पर आरोपी युवक ने किशोरी एवं उसके परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और गालियां दीं। बीच-बचाव करने पर आरोपियों ने कथित रूप से मारपीट की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि एक आरोपी ने चाकू निकालकर डराने का प्रयास किया तथा दोनों आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में रेहान खान पिता यूनुस खान, निवासी पुरानी बस्ती, जुन्नारदेव तथा ओजेफ खान पिता अख्तर खान, निवासी तहसील रोड, जुन्नारदेव के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(ए), 115(2), 351(3), 3(5) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध) एवं 3(2)(va) के तहत अपराध दर्ज किया है।

हरिभूमि की खबर का असर: कलेक्टर ने लिया संज्ञान, एसडीएम को जांच के निर्देश

छिंदवाड़ा। हरिभूमि में प्रकाशित बाट-माप विभाग में भ्रष्टाचार की 'मोहर'! दुकानदारों से अवैध वसूली के आरोप॰ शीर्षक से प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है। खबर प्रकाशित होने के बाद जिला कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए संबंधित एसडीएम को जांच के आदेश जारी किए हैं।गौरतलब है कि हरिभूमि ने प्रमुखता से प्रकाशित खबर में बाट-माप विभाग के अधिकृत एजेंटों पर नवीनीकरण के नाम पर निर्धारित शुल्क से कई गुना अधिक राशि वसूलने, बिना वैध सत्यापन और बिना विभागीय मोहर के इलेक्ट्रॉनिक कांटों के संचालन तथा नियमों की अनदेखी जैसे गंभीर आरोप उजागर किए थे। खबर में व्यापारियों की शिकायतों और दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले को सामने लाया गया था।खबर के प्रकाशन के बाद जिला प्रशासन सक्रिय हुआ। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से पूरे प्रकरण की जानकारी तलब करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि जांच में किसी भी अधिकारी, कर्मचारी या अधिकृत एजेंट की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही जांच निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।व्यापारियों ने जिला प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि जांच के माध्यम से पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी और वर्षों से चली आ रही कथित अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि हरिभूमि द्वारा उठाया गया यह मुद्दा जनहित से जुड़ा है और प्रशासन की सक्रियता से व्यापारियों के साथ-साथ उपभोक्ताओं के हित भी सुरक्षित होंगे।

ड्रीम प्रोजेक्ट: 10 एकड़ भूमि का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

आधुनिक पार्क, गीता भवन, बहु मंजिला भवनों का होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

नगर के सुनियोजित और आधुनिक विकास की दिशा में बुधवार का दिन एक ऐतिहासिक मोड़ लेकर आया। वर्षों से नगरवासियों की आकांक्षाओं के केंद्र में रहे बहुप्रतीक्षित 'ड्रीम प्रोजेक्टों' को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया ने गति पकड़ती नजर आ रही है। जिला प्रशासन और नगर पालिका परिषद की संयुक्त पहल के तहत मेगा विकास योजनाओं के लिए लगभग 10 एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया गया है। जिला कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के मार्गदर्शन में नगर के वार्ड क्रमांक 12 एवं 13 का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री नानाभाऊ मोहोड, एडीएम नीलमणि अग्निहोत्री, एसडीएम सिद्धार्थ पटेल,नपा अध्यक्ष श्रीमती सुरेखा इन्द्रचंद डागा,नपा उपाध्यक्ष विनोद जूनघरे, सभापति श्रीमती मृणाली दर्शन झाड़े, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मौसम पालेवार सहित राजस्व और नगर पालिका विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रस्तावित स्थलों का सूक्ष्म अवलोकन कर विकास कार्यों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। नगर पालिका परिषद की इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत कई बड़े निर्माण प्रस्तावित हैं जिसमें बहुमंजिला शासकीय आवास, वार्ड 12 एवं 13 के जर्जर आवासों का पुनर्निर्माण कर उन्हें अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस बहुमंजिला इमारतों में बदला जाएगा। युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए खेल सुविधाओं का केंद्र,नागरिकों के मनोरंजन और स्वास्थ्य के लिए हरा-भरा और व्यवस्थित वातावरण,धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक समर्पित केंद्र गीता भवन,इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से सौंसर का भौतिक स्वरूप तो बदलेगा, अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर के निर्देशानुसार भूमि का चिन्हांकन पूर्ण हो चुका है। अब नियमानुसार विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर प्रशासनिक और तकनीकी प्रक्रियाएं शुरू की जाएंगी, ताकि इन जनहितैषी योजनाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारा जा सके।

बाउंड्रीवाल ने खोली सिविल विभाग के घटिया निर्माण की पोल

परासिया। बड़कुही में नेहरू क्रिकेट स्टेडियम के सामने स्थित चिकित्सक के बंगले की पीछे की बाउंड्रीवॉल मंगलवार को दोपहर 3 बजे बारिश में गिर गयी। जिसने वेकोलि के सिविल विभाग के घटिया निर्माण की पोल खोल दी। देखने में आया है की बाउंड्रीवाल का जब निर्माण किया गया था तब नींव ही नहीं खोदी गई, केवल दीवार खड़ी कर दी गई थी। वहीं दीवार के नीचे रेत की जगह कापू का इस्तेमाल किया गया था जो स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। सूचना मिलने पर महाप्रबंधक कार्यालय परासिया के सिविल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने नयी बाउंड्रीवॉल निर्माण की बजाय तार की फेंसिंग कराने के बारे में कहा, लेकिन चिकित्सक में साफ मना कर दिया। चिकित्सक स्वंय के खर्चे से लंबी बाउंड्रीवाल बनाने की तैयारी कर रहे हैं। चिकित्सक कुणाल यादव केन्द्रीय चिकित्सालय बड़कुही में दंत रोग विशेषज्ञ हैं।

पीएचई अधिकारी सुभाष गाडगे सेवानिवृत्ति पर हुए सम्मानित, प्रशासनिक अधिकारियों ने दी भावभीनी विदाई

सौंसर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग सौसर में अपनी निष्ठापूर्ण एवं समर्पित सेवाएं प्रदान करने वाले प्रभारी एसडीओ सुभाष गाडगे के सेवानिवृत्ति उपरांत विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी समारोह में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष स्वरूप प्रदान किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ ने सुभाष गाडगे को उनके सुदीर्घ एवं अनुकरणीय सेवाकाल के लिए बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि श्री गाडगे ने विभागीय दायित्वों का निर्वहन अत्यंत कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के साथ किया है। एक शासकीय सेवक के रूप में उनका व्यवहार और कार्य के प्रति समर्पण नए कर्मचारियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने श्री गाडगे के स्वस्थ, सुखद और मंगलमय सेवानिवृत्त जीवन की कामना की। विदाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री, संयुक्त कलेक्टर सुश्री नेहा सोनी, पांढुर्णा एसडीएम श्रीमती अलका एक्का, प्रभारी तहसीलदार सुश्री प्रेक्षा पाठक, जनपद पंचायत सौसर मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रियंक मिश्रा एवं पांढुर्णा जनपद के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश ठाकुर ने श्री गाडगे के साथ कार्य करने के अपने अनुभवों को साझा किया। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि श्री गाडगे की कार्यशैली में सरलता और समयबद्धता का अद्भुत संगम रहा है, जिससे विभाग के प्रशासनिक कार्यों को गति प्राप्त हुई। इस अवसर पर पीएचई विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने श्री गाडगे का स्वागत सत्कार उपहार देते हुए भावभीनी विदाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामनाएं की, कार्यक्रम के दौरान उन्हें स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सेवानिवृत हुए प्रभारी एसडीओ श्री गाडगे के द्वारा सभी वरिष्ठ एवं सहयोगी अधिकारियों आभार व्यक्त किया है।

अमृत 2.0 के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तार कार्य का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

नगर पालिका परिषद द्वारा अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नगर के सभी 18 वार्डों में पेयजल आपूर्ति को अधिक सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से पाइपलाइन विस्तार का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

हालांकि निर्माण कार्य के दौरान नागरिकों की ओर से सड़क खोदने, गड्ढे खुले छोड़ने तथा कार्य की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इन्हीं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती नेहा धुर्वे एवं नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सालोडे ने संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न वार्डों का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाइपलाइन बिछाने के कार्य की प्रगति का जायजा लिया। तथा संबंधित ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां पाइपलाइन डालने के लिए सड़क खोदी गई है, वहां कार्य पूर्ण होने के तुरंत बाद गड्ढों को कंक्रीट एवं अन्य आवश्यक सामग्री से समुचित तरीके से भरकर सड़क को पूर्व स्थिति में लाया जाए। ताकि आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पिपला में भारतीय स्टेट बैंक शाखा शुरू, ग्रामीणों को अब मिलेगी घर बैठे बैंकिंग सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग राष्ट्रीयकृत बैंक आखिरकार पूरी हो गई है। लंबे समय से स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीयकृत बैंक की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे देखते हुए अब पिपलानारायणवार में भारतीय स्टेट बैंक की नई शाखा का विधिवत शुभारंभ किया गया है। बैंक का उद्घाटन समारोह अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध उद्योगपति राधेश्याम सुधा, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष विजय चौधरी एवं कैलास सुधा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। अतिथियों ने रिबन काटकर बैंक की विधिवत शुरुआत की।इस नई शाखा के खुलने से पिपलानारायणवार और उसके आसपास के गांवों के निवासियों के लिए बैंकिंग सुविधाएं अत्यंत सुलभ हो गई हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर व्याख्यान आयोजित

दमुआ। शासकीय महाविद्यालय दमुआ में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर "भारतीय सांस्कृतिक इतिहास एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण" विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।व्याख्यान में वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति की प्राचीन गौरवशाली परंपराओं, सांस्कृतिक धरोहरों एवं उनके संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने सोमनाथ मंदिर के इतिहास को भारतीय स्वाभिमान और पुनर्जागरण का प्रतीक बताते हुए उसके पुनर्निर्माण की प्रेरणादायक गाथा को साझा किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के मूल्यों, परंपराओं एवं उनके संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण के माध्यम से ही देश की असली पहचान और गौरव को पुनः स्थापित किया जा सकता है।कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ सरिता पाल एवं डॉ पुष्पा मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

स्थानांतरण के उपरांत विदाई एवं सम्मान समारोह संपन्न

बिछुआ। विकासखंड अंतर्गत हाई स्कूल लोहांगी में स्थानांतरण के उपरांत शिक्षक श्री वीरेंद्र कुमार सोनी के शाला परिवार द्वारा आयोजित विदाई एवं सम्मान समारोह में स्थानांतरित होने भावभीने वातावरण में सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएँ दीं।इस दौरान संस्था प्राचार्य एवं अन्य वक्ताओं ने कहा कि स्थानांतरित होने से पहले सोनी सर ने अपने कार्यकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया तथा संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके कार्य एवं व्यवहार की सभी ने प्रशंसा करते हुए नई पदस्थापना पर उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की कामना की।इस दौरान मुख्य रूप से प्राचार्य श्री प्रकाश बाम्बल,श्रीमती निशा वाठ,श्रीमती पल्लवी भक्ते,संजय कांबले,देवेंद्र चढ़डे,श्रीमती दुर्गा खंडाईत,सुरेश सोमकुंवर,श्रीमती पूजा सहगल,विनोद रूंघे,प्रणिता रोकड़े,रजत वानखेड़े,नितिन माकडे ,समेत स्थानीय स्टाफ एवं स्कूल छात्र व छात्राएं उपस्थित थे।

विकास के दावों की पोल खोलता पिपरई नाला: नेताओं के वादे बहे पानी में, ग्रामीण हर साल भुगत रहे सजा

पूर्व विधायक रमेश भटेरे, हिना कावरे और वर्तमान विधायक राजकुमार कर्राहे पर उठे सवाल- आखिर कब बनेगा पुल, कब खत्म होगी ग्रामीणों की पीड़ा?

हरिभूमि न्यूज लांजी। मध्य प्रदेश सरकार भले ही गांव-गांव सड़क, पुल-पुलिया और विकास की बड़ी-बड़ी बातें कर रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत किरनापुर तहसील के ग्राम खोलमारा और ग्राम कोसमारा के बीच स्थित पिपरई नाला पर आकर पूरी तरह बेनकाब हो जाती है। यह नाला आज सिर्फ एक जलधारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, जनप्रतिनिधियों की उदासीनता और खोखले वादों का जीवंत प्रतीक बन चुका है। लगातार बारिश के बाद पिपरई नाला उफान पर है। हालात इतने भयावह हैं कि पुल के ऊपर लगभग 6 फीट पानी बह रहा है, जिससे एक दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट खड़ा हो गया है और जिम्मेदार तंत्र हमेशा की तरह मौन है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिपरई नाला पर पुल-पुलिया निर्माण की मांग वर्षो से की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर लांजी-किरनापुर क्षेत्र के पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व विधायक हिना कावरे और वर्तमान विधायक राजकुमार कर्राह को कई बार ज्ञापन और शिकायतें दी गईं। लेकिन नतीजा हर बार वही-सिर्फ आश्वासन, सिर्फ वादे और सिर्फ राजनीति। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के दौरान नेताओं की गाडियां गांव तक पहुंच जाती हैं, हाथ जोड़कर वोट मांगे जाते हैं, विकास के सपने दिखाए जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही सब कुछ ठंडे बस्ते में चला जाता है।

पिपरई नाला उफान पर आते ही एक दर्जन से अधिक नक्सल प्रभावित गांवों की जिंदगी जैसे थम जाती है। ग्रामीण बाजार नहीं पहुंच पाते, मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पाते और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना तक मुश्किल हो जाता है। लांजी तक पहुंचने का मुख्य रास्ता यही नाला है, जो बारिश में मौत का रास्ता बन जाता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यदि किसी गांव में अचानक स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति बन जाए, तो मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना लगभग असंभव हो जाता है। यह स्थिति सीधे तौर पर जनजीवन के साथ खिलवाड़ है।

मध्य प्रदेश सरकार नक्सलवाद खत्म करने और पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोडऩे के बड़े दावे करती है। लेकिन पिपरई नाला की स्थिति इन दावों की सच्चाई उजागर कर रही है। जब बुनियादी संपर्क मार्ग ही सुरक्षित नहीं है, तो विकास के दावे आखिर किसके लिए किए जा रहे हैं? ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द पुल-पुलिया निर्माण शुरू नहीं हुआ, तो बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। अब सवाल यही है-आखिर कब तक ग्रामीण हर बारिश में इसी उपेक्षा, इसी लापरवाही और इसी बदहाली की कीमत चुकाते रहेंगे?

सरकारी पैसों की बंदरबांट का आरोप, विवादित पंचायत में फिर उठे गंभीर सवाल, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

दिघोरी पंचायत में विकास नहीं, भ्रष्टाचार की बहती नाली! वार्ड 8-9 के घटिया निर्माण ने खोली सिस्टम की पोल

हरिभूमि न्यूज लांजी।

जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत दिघोरी एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह विकास नहीं बल्कि कथित लापरवाही, मनमानी और घटिया निर्माण कार्य है। वार्ड क्रमांक 8 एवं 9 में कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। आरोप है कि विकास कार्यों के नाम पर खुलेआम गुणवत्ता की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और जिम्मेदार आंख मूंदकर तमाशा देख रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में जिस स्तर की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, उसे देखकर साफ समझा जा सकता है कि यहां गुणवत्ता नहीं, केवल खानापूर्ति और सरकारी राशि को ठिकाने लगाने का खेल चल रहा है। नाली निर्माण की हालत ऐसी बताई जा रही है कि लोगों को डर है पहली तेज बारिश भी इसे बहाकर ले जा सकती है। सवाल यह है कि आखिर जनता के टैक्स के पैसों से हो रहे कार्यों में इतनी बड़ी लापरवाही क्यों?

वार्ड 8 और 9 में चल रहे निर्माण कार्य ने पंचायत के विकास मॉडल की असल तस्वीर सामने ला दी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। सीमेंट, रेत और अन्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या निर्माण कार्यों की कोई निगरानी हो रही है? यदि हो रही है, तो फिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे सामने आ रही है? ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी कई संदेहों को जन्म दे रही है।

ग्राम पंचायत दिघोरी का विवादों से पुराना नाता रहा है। पंचायत के सरपंच पहले भी उस समय चर्चाओ में आए थे, जब पंचायत बैठक के दौरान उनका कथित नशे की हालत में वीडियो वायरल हुआ था। उस घटना ने पूरे पंचायत प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। शिकायतें हुईं, हंगामा हुआ, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा छाया रहा। अब एक बार फिर घटिया नाली निर्माण ने यह साबित कर दिया है कि पंचायत में जवाबदेही और पारदर्शिता का गंभीर अभाव है। ग्रामीणों का कहना है कि जब नेतृत्व ही सवालों के घेरे में हो, तो विकास कार्यों की दुर्दशा होना तय है। अब लोगों ने प्रशासन से तत्काल जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो सड़क से लेकर कार्यालय तक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का लिया संकल्प

बावड़ी उत्सव के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड वारासिवनी द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंदरा में 'बावड़ी उत्सव (जल स्रोत पूजन उत्सव)' के रूप में अभियान का गरिमामय समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी से जोड़ते हुए पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती के छायाचित्र पर पूजन-अर्चन, कलश पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि विगत तीन माह से जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमशीएलडीपी) के छात्र-छात्राओं ने भीषण गर्मी के दौरान भी जल संरक्षण के लिए निरंतर कार्य किया। इस अवधि में बोरी बंधान, सोख्ता गड्ढों का निर्माण तथा गांव-गांव में चौपालों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि ₹घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में₹ रोकने का संकल्प ही भविष्य के जल संकट से बचाने का प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि ₹जल है तो कल है, जल नहीं तो कल नहीं₹ की भावना को जन-जन तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि एवं सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन बिसेन ने कहा कि पारंपरिक जल स्रोत हमारी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर हैं। इनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी के साथ आगे आना होगा।प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत वारासिवनी सुश्री सरोज सरिया ने जल गंगा संवर्धन अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि आज हम अपने कुओं, बावड़ियों, तालाबों एवं अन्य पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियाँ इन धरोहरों को सुरक्षित रूप में देख सकेंगी। उन्होंने जल संरक्षण को सामाजिक दायित्व बताते हुए जनसहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता हनवत ने कहा कि जन अभियान परिषद द्वारा विगत तीन माह से चलाया गया यह अभियान जनजागरण का प्रभावी माध्यम बना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को जल संरक्षण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा विनोद कुमार वट्टी ने उपस्थित लोगों से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए जल, बचाने और जल संरचनाओं के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। समापन अवसर पर सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चंदन नदी के तट पर पौधारोपण किया। इसके पश्चात माँ चंदन मैया का विधिवत पूजन-अर्चन कर श्रीफल अर्पित किया गया तथा उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण एवं संवर्धन की सामूहिक शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रभावी संदेश दिया गया ।कार्यक्रम का सफल संचालन खिलेंद्र नागेश्वर, अध्यक्ष ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कोचेवही ने किया । उक्त कार्यक्रम में नवांकुर संस्था के राजकुमार लिल्हारे, मिथिलेश बुर्डे, निलेश झरिया, राकेश मिश्रा सहित समस्त परामर्शदाता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के छात्र-छात्राएँ, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का विधायक विवेक पटेल ने किया सम्मान

शिक्षक अपने कार्यकाल के लिए सदैव किए जाएंगे याद-विवेक पटेल

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र की ग्राम पंचायत बुदबुदा में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुदबुदा में सेवानिवृत्ति शिक्षको प्रेमलाल गौतम व मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश वर्मा को एक भव्य समारोह में सम्मान पूर्वक भावभीनी बिदाई दी गई।

इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विवेक विक्की पटेल भी शामिल हुए। समारोह में विधायक विवेक पटेल व विद्यालय स्टाफ ने सेवानिवृत्त शिक्षको राकेश वर्मा और प्रेमलाल गौतम का पुष्पहार पहना कर शाल, श्रीफल, अभिनंदन पत्र व उपहार भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने अपने सेवाकाल के अनुभव को साझा किया और गीत गाये। विद्यालय स्टाफ ने दोनों शिक्षकों की सेवा अवधि के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें उत्कृष्ट शिक्षक कहा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को बिदाई देना उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र दिए गए योगदान और अमूल्य समर्पण को सम्मान देने का अवसर रहता है। यह कार्यक्रम उनके दीर्घायु,अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल भविष्य की कामना करने के लिए आयोजित किया जाता है। इस भावुक अवसर पर स्कूल स्टाफ, छात्र-छात्राओं, स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने शिक्षकों के लंबे और उत्कृष्ट कार्यकाल की सराहना की।

शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता बताते हुए विधायक विवेक पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि एक शिक्षक का काम केवल ज्ञान देना ही नहीं,बल्कि भावी पीढ़ी का चरित्र निर्माण करना भी होता है।शिक्षक सेवा से भले ही सेवानिवृत्त हो जाते है।लेकिन समाज को दिशा देने और शिक्षित करने में उनका योगदान जीवन भर अमूल्य रहता है।शिक्षकों की कभी छुट्टी नहीं रहती है। सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनकी जवाबदारी और बढ़ जाती है।स्कूल के लिए किए गए उनके कार्य को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।विद्यालय के बच्चे उन्हें सदैव याद करते रहेंगे।सेवानिवृत होना एक औपचारिक पड़ाव है।शिक्षक स्कूल से सेवा निवृत हो सकता है।मगर अंतिम सांस तक बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करता है।शिक्षक किसी एक विद्यालय की नहीं,बल्कि पूरे समाज की धरोहर होते है।शिक्षक ने अपने सेवाकाल में बच्चों को केवल शिक्षित ही नहीं किया, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन के मूल्य भी प्रदान किए है।

विरोध की राजनीति या प्रोटोकॉल की मजबूरी? कांग्रेस विधायक की भूमिका पर उठे सवाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सिवनी दौरे के दौरान कांग्रेस द्वारा किसानों और स्थानीय मुद्दों को लेकर सडक़ पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान विधायक रजनीश सिंह ठाकुर सहित कई कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने यहां तक कहा कि किसानों के हित में यदि प्राण भी न्यौछावर करने पड़ें तो पीछे नहीं हटेंगे।

लेकिन राजनीतिक गलियारों में उस समय सवाल खड़े हो गए जब विरोध प्रदर्शन के बाद विधायक रजनीश सिंह ठाकुर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर मंच पर दिखाई दिए। इसे लेकर चर्चा का दौर शुरू हो गया है कि आखिर विधायक की प्राथमिकता क्या थी—कांग्रेस का आंदोलन या फिर प्रोटोकॉल का पालन?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि कांग्रेस किसानों और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष कर रही थी तो मंच पर पहुंचने के बाद भी उन मुद्दों को मजबूती से उठाया जाना चाहिए था। विरोध प्रदर्शन के दौरान जिस आक्रामक तेवर का प्रदर्शन किया गया, वही तेवर मंच पर दिखाई नहीं दिए। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम लोगों के बीच कई सवाल खड़े हो रहे हैं। विरोध के बाद सत्ता के मंच पर उपस्थिति ने यह बहस छेड़ दी है कि क्या यह केवल औपचारिक विरोध था या वास्तव में किसानों और जनता के मुद्दों को लेकर गंभीर राजनीतिक संघर्ष? जनता अब यह जानना चाहती है कि सडक़ पर दिखाई गई नाराजगी और मंच पर दिखाई गई शालीनता के बीच आखिर वास्तविक राजनीति कौन सी है। फिलहाल यह मामला जिले की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है और कांग्रेस की रणनीति पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

एक ओर मुख्यमंत्री का आगमन और दूसरी ओर भगत सिंह वार्ड पीने के पानी बिन प्यासा

सिवनी शहर में हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव आ रहे हैं जिनकी स्वागत की तैयारी बड़े जोर शोर से हो रही है भाजपा के लोग एक से बढ़कर एक स्वागत में लगे हुई है दूसरी ओर शहर में पीने का पानी का जल संकट गहरा रहा है आज दिनांक 30 जून को भगत सिंह वार्ड जिंदल अस्पताल के पास पीने के पानी के नल सुबह से ही नहीं आ रहे हैं,नगर पालिका के कर्मचारियों से बात करने पर पता चला कि अधिकांश पीने के पानी के टैंकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में लगे हुए हैं और यहां शहर की जनता पानी पीने के लिए तरस रही है। अतः भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव ओम प्रकाश बोर्ड सहित डीडी वासनिक ओम प्रकाश बोर्ड डॉक्टर बी सी ओके राजेंद्र जैसवाल कामरेड बंडेवार किरण प्रकाश राहुल कुमार यीशु प्रकाश इरफान पठान माया गढ़वाल आदि ने नगर पालिका प्रशासन तथा जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि पहले शहर की पीने के पानी की अनिवार्य सेवाएं दुरुस्त करें ताकि आम जनता प्रदेश के मुखिया के आगमन पर प्रसन्न चित रहे और किसी तरह मुख्यमंत्री के आगमन को रोड़ा ना समझे।

सीएम से मिलने निकले कांग्रेसी रोके गए, कई नेता हिरासत में

सिवनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सिवनी दौरे से पहले कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन पुलिस कार्रवाई की भेंट चढ़ गया। विभिन्न जनसमस्याओं और स्थानीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने जा रहे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बीच रास्ते में रोककर हिरासत में ले लिया।

कांग्रेस का आरोप है कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने और ज्ञापन सौंपने के अधिकार को प्रशासन ने कुचलने का प्रयास किया। इंदिरा भवन से निकले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने आगे बढ़ने से रोक दिया, जिसके बाद विधायक रजनीश सिंह ठाकुर, प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजा बघेल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं ने इसे जनआवाज दबाने की कार्रवाई बताते हुए प्रशासन पर सवाल उठाए। उधर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश स्तरीय धान महोत्सव में शामिल होकर 494.16 करोड़ रुपये के 629 विकास कार्यों की सौगात दी तथा किसानों को प्रोत्साहन राशि वितरित की।

छेड़छाड़ एवं पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी द्वारा महिला संबंधी गंभीर अपराधों की रोकथाम एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु दिए गए सख्त निर्देशों के पालन में महिला थाना पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी को 12 घंटे के अंदर पहचान कर धरपकड़ में सफलता प्राप्त की गई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक सिवनी सचिन परस्ते के मार्गदर्शन में नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ संबंधी अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए महिला थाना सिवनी में पंजीबद्ध प्रकरण के अज्ञात आरोपी को 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया गया।

घटना जिला अस्पताल सिवनी में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर बाथरूम में ले जाकर गलत नीयत से छेड़छाड़ की गई। पीड़िता की रिपोर्ट पर महिला थाना सिवनी में धारा 74, 75(1)(द्व), 75(2) बी.एन.एस. एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विवेचना के दौरान जिला अस्पताल सिवनी एवं शहर के विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात व्यक्ति की तलाश की गई। आरोपी की पहचान रोहित पिता स्व. राकेश उर्फ छोटेलाल सनोडिया, उम्र 32 वर्ष, स्थायी निवासी ग्राम भाटीवाड़ा थाना लखनवाड़ा, वर्तमान पता मंगलपीठ थाना कोतवाली जिला सिवनी के रूप में हुई।

संदेही रोहित सनोडिया की तलाश शहर के विभिन्न क्षेत्रों, सिक्योरिटी एजेंसियों, गार्ड, एम्बुलेंस चालकों, वाहन स्टैंड, बुधवारी, पॉलीटेक्निक कॉलेज, कुंजबिहारी मोहल्ला एवं फिल्टर चौक के हरिजन मोहल्ले में की गई। दिनांक 01/07/2026 को लगातार प्रयासों के बाद आरोपी को पकडक़र घटना के गवाहों एवं पीड़िता से पहचान कराई गई, जिन्होंने आरोपी की पहचान की। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया।

सिवनी पुलिस का संदेश-महिलाएँ एवं बालिकाएँ अनजान व्यक्तियों की बातों में न आएँ। बिना परिजन या रिश्तेदारों के किसी अन्य व्यक्ति पर विश्वास न करें। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अपरिचित एवं संदिग्ध व्यक्तियों से सावधान रहें। महिला एवं बच्चों के साथ होने वाले किसी भी अपराध की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना को दें। किसी भी आपातकालीन स्थिति में 112 डायल करें।

खबर संक्षेप

पीजी कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी में शासन के निर्देशानुसार आज दिनांक 1 जुलाई 2026 को तीन दिवसीय दीक्षा आरंभ कार्यक्रम आरंभ (प्रवेश उत्सव) का बड़े धूमधाम से प्राचार्य डॉ रवि शंकर नाग की अध्यक्षता में हर्ष उल्लास के साथ प्रारंभ किया गया।

समस्त नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए, प्रवेश प्रक्रिया, आवेदन, विषय का चयन एवं नई शिक्षा नीति 2020 की विस्तृत जानकारी नोडल अधिकारी डॉ मान सिंह बघेल द्वारा प्रदान की गई। यह प्रवेश उत्सव 2 जुलाई एवं 3 जुलाई को भी प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। 02 एवं 03 जुलाई को महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की जाएगी।

धर्म नगरी लखनादौन में दीक्षा दिवस सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज। लखनादौन। प्रातः स्मरणीय सन्मार्ग दिवाकर श्रीमद् आचार्य देव श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का 59 वां दीक्षा दिवस मनाया गया,आर्यिका गुरु मां गुणमति माताजी ससंघ के सानिध्य में उनके द्वारा रचित विघ्नहर आचार्य विद्यासागर विधान बड़े ही भक्ति भाव के साथ सानंद संपन्न हुआ सर्वप्रथम भक्तों ने जिनेन्द्र भगवान का पूजन ,अभिषेक ,शान्ति धारा ,कर धर्म लाभ लिया एवं मंगलाचरण दीप प्रज्वलन कर पूज्य माताजी को शास्त्र भेट किया,तत्पश्चात पूज्य माता जी के श्री मुख से अमृतमय वाणी सभी श्रद्धालुओं ने श्रवण की.दोपहर में बाल ब्रह्मचारिणी दीदी के द्वारा मंगलाचरण हुआ एवं आर्यिका गुरु मां गुणमति माताजी ने पूज्य आचार्य विद्यासागर जी महाराज के संस्मरण सुनाए,कुंडलपुर के बड़े बाबा की गौरव गाथा एवं विद्याधर से विद्यासागर, की गौरव गाथा सुनाई।

सदगुरु कबीर प्राकट्य महा महोत्सव एवं त्रि दिवसीय सत्संग समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नगर छपारा में आयोजित सदगुरु कबीर प्राकट्य महा महोत्सव एवं त्रि दिवसीय सत्संग समारोह के अंतिम दिवस पर कबीर पंथ का मुख्य पूजन सात्विक यज्ञ चौका आरती का विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी भक्तजनों ने पान, पुष्प, नारियल, सुपारी के माध्यम से अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस पावन अवसर पर आचार्य श्री ने कहा कि यह चौका आरती एक सात्विक यज्ञ है।

इसमें किसी प्रकार से कोई हिंसात्मक कार्य या बाह्य आडंबर नहीं है। इसमें भक्ति, उपासना और ज्ञान का त्रिवेणी संगम है । इसके माध्यम से हमारे मल, विक्षेप और आवरण तीनों दोषों की निवृत्ति हो जाती है। मल अर्थात मन की मलिन दशा। विक्षेप अर्थात बिखरी हुई सुरति।

एक वृक्ष - एक मित्र अभियान के तहत निःशुल्क पौधों का वितरण जारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ रजवाड़ा परिवार द्वारा संचालित एक वृक्ष - एक मित्र अभियान के अंतर्गत शहरवासियों को निःशुल्क पौधों का वितरण निरंतर किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना तथा प्रत्येक परिवार को प्रकृति से जोडऩा है। अभियान के तहत प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से होटल द ग्रैंड रजवाड़ा, जबलपुर रोड, सिवनी में निःशुल्क पौधों का वितरण किया जा रहा है। इच्छुक नागरिक अपनी सुविधा अनुसार पौधे प्राप्त कर सकते हैं। वितरण में पीपल, बरगद, नीम, आंवला, जामुन, अमरूद एवं तुलसी सहित अनेक पूजनीय, औषधीय एवं छायादार पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि लोग अपने घर, खेत, संस्थान एवं सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बन सकें। रजवाड़ा परिवार के मनीष अग्रवाल, मंटू अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, विवेक अग्रवाल एवं परम अग्रवाल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि पौधा केवल वही व्यक्ति लें, जो उसकी एक सच्चे मित्र की तरह नियमित देखभाल करने का संकल्प भी ले। वृक्ष केवल लगाने से नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन से ही पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। रजवाड़ा परिवार ने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं युवाओं से इस अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता निभाने तथा एक वृक्ष - एक मित्रका संकल्प लेकर आने वाली पीढिय़ों के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण बनाने का आह्वान किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद का आठवां स्थापना दिवस केवलारी में भव्यता एवं उत्साह के साथ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल का आठवां स्थापना दिवस सिवनी जिले में अत्यंत भव्य अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। स्थापना दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया, जिनमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सनातन धर्मावलंबियों ने बढ़-चढक़र सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य मार्गदर्शन महाकौशलप्रांत के राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकारी अध्यक्ष स्वराज सिंह जी भाईसाहब द्वारा किया गया। उनके मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिला कार्यकारी अध्यक्ष रोहित सक्सेना ने किया। इस अवसर पर संगठन के समस्त जिला, प्रखंड, नगर एवं ग्राम स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर भगवान श्रीराम, भारत माता एवं वीर हनुमान जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत संगठन के स्थापना दिवस की ऐतिहासिक यात्रा, उद्देश्य एवं कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

वक्ताओं ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद विगत आठ वर्षों से सेवा, सुरक्षा एवं संस्कार के मूल मंत्र के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर राष्ट्र एवं धर्महित में निरंतर कार्य कर रही है।

महाकौशल प्रांत के काय.र्अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सनातन समाज की एक सशक्त चेतना है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि प्रत्येक हिंदू संगठित होकर सामाजिक समरसता, धार्मिक जागरण, गौसंरक्षण, मातृशक्ति सम्मान, युवाओं के चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक गांव, नगर एवं वार्ड में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

जिला कार्यकारी अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल कपिल अवधिया जी ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण, अनुशासन एवं अथक परिश्रम के कारण आज अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद जन-जन का विश्वास प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संगठन समाज सेवा, धार्मिक जागरण, युवा सशक्तिकरण एवं राष्ट्रहित के अभियानों को और अधिक व्यापक स्तर पर संचालित करेगा।

स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर प्रसाद वितरण, जनसंपर्क अभियान, सेवा कार्य, वृक्षारोपण एवं संगठन विस्तार जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में युवाओं, एवं वरिष्ठ नागरिकों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह एवं अनुशासन देखने को मिला, जिससे संगठन की मजबूत कार्यशैली का परिचय प्राप्त हुआ।

जिला महामंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल सिवनी के राजेश बघेल जी ने संगठन के संस्थापक डॉ. प्रवीण भाई तोगडिय़ा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित संगठन आज देशभर में हिंदू समाज को संगठित करने, सेवा कार्यों को गति देने तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कार्यक्रम के समापन पर सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन का वातावरण राष्ट्रभक्ति, धार्मिक आस्था एवं संगठनात्मक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्थापना दिवस को ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी बताया।

जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण की भावना के साथ बावड़ी उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

लखनादौन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अगुआई में प्रदेश के हर ग्राम शहर में मौजूद जल स्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित करने के उद्देश्य से मप्र शासन द्वारा 30 जून तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विकासखंड लखनादौन में जन अभियान परिषद द्वारा संचालित उक्त अभियान के अंतिम चरण में श्री हनुमान मंदिर के समीप स्थित प्राचीन बावड़ी को पुनः स्वच्छ करते हुए उसमें मौजूद कचरे को बाहर निकालकर,बावड़ी का पूजन किया गया एवं बावड़ी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम में उपस्थित जन अभियान परिषद के समाजकार्य के छात्र छात्राओं,मेंटर्स एवं नगर परिषद लखनादौन के मुख्यनगर पालिका अधिकारी श्यामगोपाल भारती के निर्देश में उपस्थित परिषद के स्वच्छता विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के साथ श्रमदान किया गया तद उपरान्त स्थल का पूजन करते हुए दीपप्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया गया,तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने जल स्रोतों की महत्ता एवं इनके संरक्षण की आवश्यकता पर लघु गोष्ठी करते हुए अपने अपने विचार रखे,जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी द्वारा जल स्रोतों के स्वच्छता एवं संरक्षण पर जोर देते हुए उपस्थित सहभागियों को अपने ग्रामों एवं मोहल्लों में मौजूद जल स्रोतों को हमेशा उपयोगी बनाए रखने की शपथ दिलाई, जन अभियान परिषद ब्लॉक समन्वयक श्रीमती रीता वर्मा श्रीवास्तव की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी, डॉ उमरन सिंह यादव,प्रवेश सारथे सहित परामर्शदाता, समाजकार्य के छात्र छात्राएं,नगर विकास प्रस्फुटन समिति एवं नवांकुर सदस्य,स्थानीय निवासियों के साथ नगर परिषद लखनादौन के अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

407 वाहन की चपेट में आने से 13 माह के मासूम की दर्दनाक मौत, चालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम उमरिया में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 माह के मासूम की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक मासूम की पहचान मोहम्मद हमदान (13 माह), पिता मोहम्मद सलीम के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बच्चा अपने घर के सामने सड़क किनारे स्थित नाली के पास खेल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक 407 मालवाहक वाहन का चालक लगभग आधा किलोमीटर तक वाहन को रिवर्स कर रहा था। इसी दौरान वाहन की चपेट में आने से मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही कान्हीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वाहन चालक को हिरासत में लेकर 407 वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। आवश्यक पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कान्हीवाड़ा भेजा गया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत विवेचना की जा रही है।

डूण्डासिवनी पुलिस को बड़ी सफलता

सूने मकान में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

सीसीटीवी व मुखबिर तंत्र से मिली अहम लीड, आरोपी भेजे गए जेल

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु दिए गए सख्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी सिवनी सचिन परते के मार्गदर्शन में थाना डूण्डासिवनी पुलिस ने रात में सूने मकान को निशाना बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर 48 घंटे के भीतर वारदात का खुलासा किया है।

दिनांक 28.06.2026 को प्रार्थी संदीप चौधरी निवासी ड्रीमलैंड सिटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात चोरों द्वारा घर का ताला तोडक़र नगदी, जेवरात, लैपटॉप एवं आइपैड चोरी कर लिए गए हैं। रिपोर्ट पर थाना डूण्डासिवनी में अपराध क्र. 340/2026 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

1.60 लाख का मशरुका बरामद: नगदी, जेवरात, लैपटॉप व आइपैड जप्त

थाना प्रभारी निरीक्षक चैनसिंह उइके के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर तत्काल आरोपियों की धरपकड़ हेतु क्षेत्र में रवाना की गई। डूण्डासिवनी पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए संदेहियों से पूछताछ, मुखबिर तंत्र सक्रिय करने एवं घटना स्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। चंद घंटों के भीतर तीन संदेहियों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई, जिन्होंने चोरी करना कबूल किया।

सराहनीय भूमिका

इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक चैनसिंह उइके के नेतृत्व में सउनि बालकृष्ण त्रिगाम, सउनि संजय बघेल, प्रआर रंजीत पटले, नितेश राजपूत, धूपलाल नेताम, योगेन्द्र चौहान, आरक्षक आशीष ठाकरे, विनोद बोपचे, रवि धुर्वे, धनराज बरकड़े, हिमेन्द्र सहारे, अकलेश माहोरे एवं मोहसीन आजमी का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

सेक्ट कम्प्यूटर एकेडमी
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र. शासन) से सम्बद्ध
शासकीय नौकरियों के लिए एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा अनिवार्य
कोर्स फीस किस्तों में भुगतान की सुविधा
DCA 1 वर्षीय डिप्लोमा 2 सेमेस्टर योग्यता 12 वी (किसी भी विषय में)
PGDCA 1 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा 2 सेमेस्टर योग्यता स्नातक (किसी भी विषय में)
BCA 3 वर्षीय स्नातक डिग्री 6 सेमेस्टर योग्यता 12 वी (किसी भी विषय में)
M.SC. (CS) 2 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री 4 सेमेस्टर योग्यता स्नातक (किसी भी विषय में)
LEARN GREAT SKILLS FOR A BETTER CAREER
प्रवेश प्रारंभ
C++ I JAVA | PYTHON / AD-EXCEL | FULL- STACK
एस.पी. बंगलो रोड, बारापत्थर, सिवनी (म.प्र.) संपर्क: 9183500282, 9183505478, 8821090909, 9993465882

प्रवेश प्रारंभ डी.पी. चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय
College Code – P554 बारापत्थर, सिवनी (म.प्र.) NAAC Accredited
पाठ्यक्रम
B.Sc., B.Com., B.A., M.Sc. (Phy, Chem, Maths), M.Com, B.Ed., D.El.Ed., G.N.M.
नोट
Major, Minor, Vocstion, MDC पर कैरियर गाइडेंस
संपर्क 07692.226635, 9479887990, 9098355136, 9752264388, 8770294939, 7746838590

40 लाख की कुर्सी का हवाला देकर वसूली की चर्चा, कृषि विभाग फिर सवालों के घेरे में

निरीक्षण के नाम पर कृषि उपसंचालक कर रहे जेब गर्म!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिला कृषि विभाग एक बार फिर चर्चाओं में है। इस बार मामला किसानों से जुड़ी योजनाओं या खाद-बीज की उपलब्धता का नहीं, बल्कि विभाग के निरीक्षण अभियान के दौरान कथित रूप से व्यापारियों से अवैध वसूली और दबाव बनाने के आरोपों का है। कृषि विभाग के उपसंचालक पर लगाए जा रहे इन आरोपों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारी का पक्ष भी सामने नहीं आ सका है।

जानकारी के अनुसार, खरीफ सीजन में जिलेभर में किसान खाद, बीज और कीटनाशकों की खरीददारी कर रहे हैं। ऐसे समय में कृषि विभाग द्वारा दुकानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है ताकि एक्सपायरी दवाओं, अमानक बीज एवं अनियमितताओं पर कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण को लेकर अब अलग ही तरह की चर्चाएं बाजार में सुनाई दे रही हैं। विगत वर्ष 2024-25 में तत्कालीन

कृषि विभाग के उपसंचालक के द्वारा कई ऐसे मामले एक्सपोज किए गए थे जो अवैध दवा और नकली धान बीज का बड़ा रैकेट का खुलासा किया था और अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया था लेकिन कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय की कार्यवाही सवालों के घेरे में हैं।

व्यापारियों में कार्रवाई का भय

सूत्रों का दावा है कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी दुकान में एक्सपायरी दवा, खाद या दस्तावेजों में किसी प्रकार की कमी मिलती है तो नियमानुसार कार्रवाई करने के बजाय संबंधित व्यापारियों को

लाइसेंस निरस्त करने का डर दिखाया जाता है। आरोप है कि कार्रवाई से बचाने के नाम पर मोटी रकम की मांग की जाती है। कुछ व्यापारियों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि निरीक्षण के दौरान उन्हें इस तरह का दबाव महसूस कराया गया।

40 लाख खर्च कर मिली है यह कुर्सी कहने की चर्चा...

सूत्रों के अनुसार व्यापारियों के बीच यह चर्चा भी है कि निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी कथित तौर पर यह कहते हैं कि उन्होंने जिला कृषि उपसंचालक की कुर्सी पाने के लिए करीब 40 लाख रुपये खर्च किए हैं, इसलिए अब वह रकम निकालना भी उनकी मजबूरी है। यही नहीं, यह भी कहा जाता है कि भोपाल में इस तरह की पोस्टिंग के लिए बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

दस्तावेजो कार्यों में भी वसूली की चर्चा

सूत्रों का यह भी आरोप है कि केवल निरीक्षण ही नहीं, बल्कि विभाग में दस्तावेज सत्यापन और अन्य प्रशासनिक कार्यों के नाम पर भी कथित रूप से भारी-भरकम राशि वसूले जाने की चर्चाएं हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह न केवल विभाग की कार्यप्रणाली बल्कि किसानों और व्यापारियों के विश्वास पर भी गंभीर आघात है।

किसानों के हितों पर उठे सवाल...

जिले में पहले से ही नकली बीज, अमानक खाद और कीटनाशकों की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में यदि निरीक्षण अभियान पारदर्शी होने के बजाय कथित रूप से वसूली का माध्यम बन जाए तो इसका सीधा नुकसान किसानों को उठाना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है ताकि वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई हो और ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारी भी अनावश्यक विवादों से बच सकें।

अधिकारी का पक्ष नहीं मिल सका...

इन आरोपों के संबंध में कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय से उनका पक्ष जानने के लिए मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

बेसमेंट में काम के दौरान बड़ा हादसा!, कच्चे मकान की दीवार गिरी, 3 मजदूर मलबे में दबे

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के रामनगर में बुधवार शाम एक निर्माणाधीन भवन के बेसमेंट से सटी दीवार गिरने से तीन मजदूर मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय युवाओं की मदद से मजदूरों को बाहर निकाला गया और जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

इस हादसे में दो मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।

यह घटना बुधवार शाम करीब 5:30 बजे की है। शहर के स्टेट बैंक के पीछे व्यापारी हर्षित पगारिया के निर्माणाधीन भवन में बेसमेंट की दीवार बनाने का काम चल रहा था। इसी दौरान निर्माणाधीन स्थल से सटे एक मकान की दीवार अचानक ढह गई। मलबे में नवेगांव नैतरा निवासी निलेश पिता धनलाल नगपुरे (23), चैतराम पिता सोंधड़ सौलखे (35) और हट्टा के तिलपेवाड़ा निवासी मानिक पिता उमेन्द्र मचाड़े (48) दब गए।

घटना की जानकारी मिलते ही सीएसपी मयंक तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। तब तक वहां लोगों की भीड़ जमा हो चुकी थी। शुरुआती प्रयासों में दो मजदूरों को मलबे से बाहर निकाल लिया

गया, लेकिन तीसरे मजदूर मानिक मचाड़े का केवल चेहरा ही दिखाई दे रहा था। उसे बचाने के लिए बेसमेंट में उतरे लोगों ने फावड़े और हाथों से मिट्टी हटाकर बाहर निकाला। लगभग 5 फीट गहरे बेसमेंट से घायल मजदूर को सीएसपी के चालक पुलिसकर्मी राजू गौतम और युवा सुमित मंगलानी ने पीठ पर लादकर सीढ़ियों के सहारे ऊपर पहुंचाया।

सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से गंभीर रूप से घायल मानिक मचाड़े और चैतराम सौलखे को आगे के उपचार के लिए रेफर कर दिया गया है। वहीं, निलेश नगपुरे का इलाज जिला अस्पताल में ही चल रहा है।

भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रैक लाइन बिछाने के काम के कारण राहगीरों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में रेलवे विभाग के भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रैक लाइन बिछाने के काम के कारण बुधवार को राहगीरों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे ने इस काम की सूचना न तो नगरपालिका को दी और न ही यातायात विभाग को, जिससे जनता के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता तय नहीं किया जा सका।

इस अचानक शुरू हुए काम की वजह से क्रॉसिंग से गुजरने वाले लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कत हुई, जिससे राहगीरों ने रेलवे विभाग की इस मनमानी पर जमकर नाराजगी जताई।

ओमप्रकाश नामक एक राहगीर ने कहा कि शहर में बिना किसी पूर्व सूचना के इस तरह काम शुरू कर दिए जाते हैं, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है।

दरअसल, भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर पटरी और सड़क का लेवल एक समान होने के कारण पहले भी ट्रेन ड्राइवरों को काफी दिक्कतें आती रही हैं। कुछ महीने पहले एक ट्रेन के इंजन का निचला हिस्सा पटरी से सटी जगह में फंस गया था, जिसकी वजह से ट्रेन घंटों तक वहीं खड़ी रही थी। इसी गंभीर समस्या को हमेशा के लिए दूर करने के लिए रेलवे विभाग यह काम करवा रहा है।

स्टेशन प्रबंधक कृष्ण मोहन चौधरी ने बताया कि इस लाइन पर नया ट्रैक बिछाने का काम किया जा रहा है।

दूसरी तरफ, नगरपालिका के विभागीय प्रभारी वाचस्पति त्रिपाठी ने साफ किया कि रेलवे विभाग ने नगरपालिका को इस काम को लेकर पहले से कोई जानकारी नहीं दी थी।

सहकार से समृद्धि' के पांच स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने पर जिला सहकारी बैंक में हुआ सहकारी ध्वज वंदन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

भारत सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान सहकार से समृद्धि के पांच स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट मुख्यालय सहित जिले की सभी बैंक शाखाओं एवं पैक्स समितियों में सहकारी ध्वज वंदन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्यालय में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अभिनव सिंह बघेल ने सहकारी ध्वज वंदन एवं वृक्षारोपण कर किया। इसके साथ ही जिले की सभी बैंक शाखाओं और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में भी सहकारी ध्वज वंदन कर सहकारिता के प्रति समर्पण का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ श्री बघेल ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामूहिक विकास, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा और गति देने के लिए किए गए प्रयासों से किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा समाज के विभिन्न वर्गों को सशक्त बनाने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सहकारिता की भावना को और अधिक मजबूत करते हुए समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।कार्यक्रम में प्रबंधक लेखा पी. जोशी, राजेश नागपुरे, अशोक भवरे, सतीश कोरी, श्रीमती सीमा दुबे, श्रीमती लता गौतम, धनेंद्र कटरे, सारंग बिसेन, श्रीमती रोशनी बिसेन, श्रीमती राजनंदनी परिहार, आशीष खोबरागड़े, देवेंद्र बोपचे, अमरेश परिहार सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिले में 1 जुलाई तक 87 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 01 जुलाई 2026 तक कुल 87 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 163 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में 01 से 01 जुलाई तक 231 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए था। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 26 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 79 मिलीमीटर, वारासिवनी में 28 मिलीमीटर, बैहर में 28 मिलीमीटर, लांजी में 33 मिलीमीटर, कटंगी में 14 मिलीमीटर, किरनापुर में 09 मिलीमीटर, खैरलांजी में 22 मिलीमीटर, तिरोड़ी में 25 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।
चालू वर्ष में 01 जून से 01 जुलाई तक सबसे अधिक 185 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 30 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 151 मिलीमीटर, बैहर में 90 मिलीमीटर, लांजी में 104 मिलीमीटर, कटंगी में 31 मिलीमीटर, किरनापुर में 71 मिलीमीटर, लालबर्रा में 81 मिलीमीटर, बिरसा में 27 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 75 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 104 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबल योजना की अनुग्रह राशि का किया वितरण

बालाघाट जिले में 696 प्रकरणों में 14.87 करोड़ की राशि की गई वितरित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 01 जुलाई बुधवार को सिवनी जिले में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से जिले के संबल योजना हितग्राहियों के खातों में अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कलेक्ट्रेड बालाघाट के एनआईसी कक्ष में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के 696 प्रकरणों में 14 करोड़ 87 लाख रूपये का वितरण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया। इसमें सामान्य मृत्यु के 647 प्रकरणों में 12 करोड़ 94 लाख रुपये, दुर्घटना मृत्यु के 48 प्रकरणों में 1 करोड़ 92 लाख रुपये तथा आंशिक अपंगता के एक प्रकरण में 1 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। कलेक्ट्रेड के एनआईसी कक्ष में आयोजित इस लाइव प्रसारण के दौरान प्रभारी श्रम पदाधिकारी श्री आरके ठाकरे, श्रम निरीक्षक दीपक डहरवाल, आशुतोष दुबे, सुनील यादव एवं हितलाभ लेने वाले हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

जिले में 696 हितग्राहियों को 14.77 करोड़ रुपए की राशि का हुआ वितरण

कार्यक्रम में जिले की 16 स्थानीय निकायों के हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जनपद पंचायत लालबर्रा में सबसे अधिक 79 प्रकरणों का निराकरण हुआ, जबकि कटंगी में 78, बालाघाट में 77, लांजी में 75 और किरनापुर में 67 हितग्राहियों को सहायता राशि दी गई। इसके अलावा बैहर जनपद में 44, खैरलांजी में 63, परसवाड़ा में 42, बिरसा में 56 और वारासिवनी जनपद में 51 प्रकरण शामिल रहे। नगरीय निकायों में नगर पालिका बालाघाट के 27, मलाजखंड व वारासिवनी के 11-11, नगर परिषद बैहर के 5, कटंगी के 4 और लांझी के 6 हितग्राहियों को अनुग्रह राशि प्रदान की गई।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश के सहयोग से नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत वाल्मी संस्था द्वारा जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रशिक्षित वालंटियर्स के माध्यम से लोगों तक प्रभावी संदेश पहुंचाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक सराफ, जिला नशामुक्ति अभियान संगठन के अध्यक्ष धनेन्द्र हनवत, राज्य स्तरीय समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. अतुल कुमार रायजादा तथा नीरज बंदेल की उपस्थिति में हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. अतुल कुमार रायजादा ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, उसके शारीरिक एवं मानसिक दुष्परिणामों तथा समाज और परिवार पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशामुक्त भारत का निर्माण समाज, परिवार, शिक्षण संस्थानों और स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। धनेन्द्र हनवत ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना 1933 टोल फ्री हेल्पलाइन अथवा मानस पोर्टल के माध्यम से देने की अपील करते हुए युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। ब्रह्मकुमारी संस्था की प्रतिनिधि एवं डॉ. रोशनी टेम्भरे ने भी नशामुक्त समाज के निर्माण में परिवार की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों का भारत सरकार के नशामुक्त मित्र पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराया गया। प्रशिक्षण के समापन पर मास्टर वालंटियर्स को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं तथा विभाग से संबद्ध अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रप्रेम की मिसाल : हम फाउंडेशन भारत का 59वां सामूहिक राष्ट्रगान गायन संपन्न, 1 अगस्त को फिर गूंजेगा 'जन-गण-मन'

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता का अनूठा संदेश देने वाले हम फाउंडेशन भारत द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्रकल्प ₹2 मिनट राष्ट्रगान – आओ करें राष्ट्र का सम्मान₹ के अंतर्गत बुधवार, 1 जुलाई को शहर में 59वें सामूहिक राष्ट्रगान गायन का सफल आयोजन किया गया। प्रतिमाह आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम बालाघाट शहर में राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा बन चुका है, जिसमें संस्था के पदाधिकारियों के साथ राहगीर और आम नागरिक भी स्वेच्छा से शामिल होकर राष्ट्रगान का सामूहिक गायन करते हैं।

हम फाउंडेशन भारत के प्रदेश महासचिव युनूस खान 'पप्पा भाई' ने बताया कि संस्था सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रसेवा के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक माह शहर के प्रमुख चौराहों पर सामूहिक राष्ट्रगान का आयोजन किया जाता है, ताकि नागरिकों में राष्ट्र के प्रति सम्मान, अनुशासन और एकता की भावना विकसित हो। उन्होंने कहा कि बारिश, ठंड या भीषण गर्मी जैसी परिस्थितियां भी इस कार्यक्रम की निरंतरता को प्रभावित नहीं कर पातीं। प्रत्येक माह निर्धारित समय सुबह 8 बजे राष्ट्रगान का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है।

उन्होंने जानकारी दी कि 59वें राष्ट्रगान गायन के सफल आयोजन के बाद अगला, अर्थात 60वां राष्ट्रगान गायन 1 अगस्त 2026 को सुबह 8 बजे काली पुतली चौक स्थित भारत माता प्रतिमा के समक्ष आयोजित किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारियों ने जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर राष्ट्रगान के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने की अपील की।

कार्यक्रम में महाकौशल प्रांत के समग्र विकास प्रमुख संतोष कुमार असाटी, जिला अध्यक्ष श्याम कौशल, पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, शाखा अध्यक्ष मास्टर दिलीप वडीचार, महिला विंग अध्यक्ष खुर्शीद कुरेशी, उपाध्यक्ष शिल्पा राउत, छाया सेवईवार, गिरधारीलाल जायसवाल, प्रेमचंद सेवईवार, मिश्रीलाल साहू, विजय गुप्ता, जितेंद्र सिंह राजपूत, जैनेंद्र कटरे, सुमित डोहरे, घनश्याम मौर्य सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पुलिस निरीक्षक कैलाश उइके की सहभागिता भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। संस्था ने सभी उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रहित के ऐसे आयोजनों में निरंतर सहयोग देने का आह्वान किया।

ओरिएण्टल इंजीनियरिंग कॉलेज लालबर्रा (बालाघाट)
B.Tech
+ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
+ सिविल इंजीनियरिंग
+ मैकेनिकल इंजीनियरिंग
+ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
Polytechnic
+ माइनिंग एंड माइन सर्वेइंग
+ इलेकिट्रकल इंजीनियरिंग
+ सिविल इंजीनियरिंग
+ मैकेनिकल इंजीनियरिंग
+ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
प्रवेश प्रारंभ 2026-27
Balaghat Road Lalburra, Teh, Lalburra, Dist. Balaghat M.P. 9202131331, 9202121331

सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट
ADMISSION OPEN 2026-27
ENGINEERING | PHARMACY | AGRICULTURE
POLYTECHNIC
B.TECH | M.TECH
Part Time/Full Time
• D. PHARMACY
• B. PHARMACY
• M. PHARMACY
• B.Sc. (Hons.)Ag.
• B.Tech (Agri) Engg.
• M.Sc. (Ag.)
ABM
LAW • B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M.
छात्रवृत्ति SC/ST/OBC
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.) | 9174192111, 9174202111

NCVT एवं DGE&T से मान्यता प्राप्त...
रोजगार हेतु नियमित केम्पस
न्यूनतम शुल्क
सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण
सर्वाधिक रोजगार
स्वामी विवेकानन्द प्रा. I.T.I.
Admission Open
इलेक्ट्रिशियन
फिटर
मोती तालाब के पास, सुरभि नगर, बालाघाट, मो. 7000627847, 7000482405, 9826324832